अपतटीय गश्ती पोत सार्थक

drishtiias.com/hindi/printpdf/opv-sarthak

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारतीय तटरक्षक बल** द्वारा एक **अपतटीय गश्ती पोत (Offshore Patrol Vessel - OPV),** भारतीय तटरक्षक पोत (ICGS) **सार्थक (Sarthak)** को गोवा में कमीशनिंग करके राष्ट्र को समर्पित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - यह 2,450 टन की स्थापित क्षमता वाला 105 मीटर लंबा जहाज़ है जो **9,100 किलोवाट दो डीजल इंजन द्वारा संचालित** है जिसे **26 समुद्री मील की अधिकतम गति प्राप्त करने के लिये डिज़ाइन** किया गया है।
  - **पाँच अपतटीय गश्ती पोत (OPV) की शृंखला में 'सार्थक' चौथे** स्थान पर है जो **राष्ट्र की समुद्री सुरक्षा और बचाव को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ावा** देगा।
    - OPVs लं**बी दूरी के सतही जहाज़** हैं, जो **भारत के समुद्री क्षेत्रों में संचालन** में सक्षम हैं, जिसमें हेलीकॉप्टर संचालन क्षमता वाले द्वीप क्षेत्र भी शामिल हैं।
    - उनकी **भूमिकाओं में तटीय और अपतटीय गश्त,** भारत के समुद्री क्षेत्रों में पुलिसिंग, नियंत्रण और निगरानी, तस्करी विरोधी और सीमित युद्धकालीन भूमिकाओं के साथ समुद्री डकैती विरोधी अभियान शामिल हैं।

- **विकास:**

    इसे **'मेक इन इंडिया'** दृष्टिकोण के अनुरूप मैसर्स **'गोवा शिपयार्ड लिमिटेड' (GSL)** द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन एवं निर्मित किया गया है।

        इसमें लगभग **70% स्वदेशी उपकरण** हैं, इस प्रकार यह भारतीय जहाज़ निर्माण उद्योग को आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करता है और **'आत्मनिर्भर भारत अभियान'** के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

- **विशेषताएँ:**
    - यह जहाज़ **अत्याधुनिक नेवीगेशन एवं संचार उपकरण, सेंसर एवं मशीनरी** से सुसज्जित है।
    - इस जहाज़ को **ट्विन-इंजन हेलीकॉप्टर**, चार उच्च गति वाली नौकाओं तथा स्विफ्ट बोर्डिंग एवं सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन के लिये एक इनफ्लैटेबल (Inflatable) नौका को ढोने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
    - यह जहाज़ समुद्र में **तेल रिसाव प्रदूषण** से निपटने के लिये **'सीमित प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकरण'** ले जाने में भी सक्षम है।
- **उपयोगिता:**

    इस जहाज़ को राष्ट्र के समुद्री हितों की सुरक्षा के लिये तैनात किया गया है जिनमें **अनन्य आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone- EEZ)** की निगरानी, **तटीय सुरक्षा** और **तटरक्षक चार्टर** में निहित अन्य कर्त्तव्य शामिल हैं।

भारतीय तटरक्षक बल (ICG):

- यह रक्षा मंत्रालय के तहत एक सशस्त्र बल, खोज और बचाव तथा समुद्री कानून प्रवर्तन एजेंसी है। इसका **मुख्यालय नई दिल्ली** में है।
- इसकी स्थापना **अगस्त 1978 में तटरक्षक अधिनियम, 1978** द्वारा भारत के एक स्वतंत्र सशस्त्र बल के रूप में की गई थी।

    ICG के गठन की अवधारणा **वर्ष 1971 के युद्ध के बाद** अस्तित्व में आई तथा **रुस्तमजी समिति** द्वारा एक बहु-आयामी तटरक्षक के लिये दूरदर्शी खाका तैयार किया गया था।

- सन्निहित क्षेत्र और **अनन्य आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone-EEZ)** सहित भारत के क्षेत्रीय जल पर इसका अधिकार क्षेत्र है।
- यह भारत के समुद्री क्षेत्रों में समुद्री पर्यावरण संरक्षण के लिये उत्तरदायी है तथा भारतीय जल क्षेत्र में **तेल रिसाव** की प्रतिक्रिया के लिये एक समन्वय प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है।

स्रोत: पीआईबी